**भारत सरकार**

**रक्षा मंत्रालय  
रक्षा अनुसंधान तथा विकास विभाग**

**राज्य सभा  
अतारांकित प्रश्न संख्या 3845**

**02 अप्रैल, 2018को उत्तर के लिए**

**स्वदेशी लड़ाकू विमान का विकास**

**3845.श्री प्रताप सिंह बाजवा:**

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या लड़ाकू विमान के देश में ही विकास की परियोजनाएं निर्धारित समयावधि से पीछे चल रही हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इन परियोजनाओं को शीघ्र पूरा करने और भारतीय वायु सेना की सामरिक तैयारी के लिए पर्याप्त संख्या में विमान मुहैया कराने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं;

(ग) क्या भारतीय वायु सेना के बेड़े में अधिकांश विमानों का उन्नयन करने अथवा उनको बदलने की तत्काल जरूरत है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इस संबंध में क्या कार्रवाई की गई है?

**उत्तर  
रक्षा मंत्री (श्रीमती निर्मला सीतारमण)**

(क) और (ख): हिन्दुस्तान एरोनाटिक्स लि. (एचएएल) के साथ प्रारंभिक संक्रियात्मक संरूपण (आईओसी) में 20X हल्के लड़ाकू विमानों (एलसीए) और अंतिम संक्रियात्मक संरूपण (एफओसी) में 20X हल्के लड़ाकू विमानों की अधिप्राप्ति संबंधी दो संविदाओं पर क्रमशः 31 मार्च, 2006 और 23 दिसम्बर, 2010 को हस्ताक्षर किए गए थे । एरोनाटिकल विकास एजेंसी (एडीए) द्वारा दिसम्बर, 2008 में हल्के लड़ाकू विमानों हेतु प्रारंभिक संक्रियात्मक संरूपण की योजना बनाई गई थी । तथापि, इसे दिसम्बर, 2013 में प्राप्त किया गया था । संविदागत 20 आईओसी विमानों में से एचएएल द्वारा आज की तारीख तक छह विमानों की सुपुर्दगी कर दी है । इसी प्रकार, 20X एफओसी एलसीए की संविदागत सुपुर्दगी जून, 2014 से दिसम्बर, 2016 तक प्रारंभ होनी थी । एफओसी के पूरा होने की निर्धारित तारीख जून, 2018 है । इसके अतिरिक्त, 83X एलसीए एमके 1ए के लिए प्रस्ताव हेतु अनुरोध एचएएल को 20 दिसम्बर, 2017 को जारी किया गया है ।

भारतीय वायु सेना (आईएएफ) की महत्वपूर्ण संक्रियात्मक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भारत और फ्रांस गणराज्य की सरकारों के बीच 36 राफेल विमानों की अधिप्राप्ति के लिए 23 सितम्बर, 2016 को अंतर-सरकारी समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे । उक्त विमानों की सुपुर्दगी सितम्बर, 2019 से प्रारंभ होगी और यह अप्रैल, 2022 तक पूरी हो जाएगी ।

इसके अतिरिक्त, भारतीय वायु सेना ने कुल 272 सुखोई-30 एमके I के लिए संविदा की थी जिन सभी की सुपुर्दगी 2017 तक की जानी थी जिनमें से आज की तारीख तक केवल 242 विमानों की सुपुर्दगी हुई है । एचएएल से शेष विमानों की सुपुर्दगी 2020 तक पूरी होने की संभावना है ।

(ग) और (घ): भारतीय वायु सेना अपने मौजूदा विमानों का उन्नयन करती है ताकि उनको सुसंगत और समकालीन रखा जा सके और वे अप्रचलन प्रबंधन को पूरा कर सकें । मिग-29, जगुआर तथा मिराज-2000 का चरणबद्ध तरीके से उन्नयन किया जा रहा है ।

\*\*\*